मोहयाल मित्र

■ *संपादकीय*

प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मानित

■ **अशोक लव (संयोजक, प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान)**

मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली, अध्यक्ष जनरल मोहयाल सभा ने 17 नवंबर 2013 को प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज मुझे बहुत खुशी हो रही है कि हमारे मोहयाल बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में इतने इच्छे नंबर ला रहे हैं। आप सबकी इस उपलिब्ध पर हमें गर्व है। मेरी बहुत इच्छा थी कि बच्चे और युवक–युवतियाँ 'जनरल मोहयाल सभा' के साथ जुड़ें। 'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान' के द्वारा हमने इस दिशा में कदम उठाया है। आज पूरे देश के मोहयाल बच्चों और युवाओं में इस सम्मान को प्राप्त करने की इच्छा रहती है। कई बच्चों को अपने मोहयाल होने का पता चला है। मेरी इच्छा है कि आप खूब पढ़ें। पढ़–लिखकर अपने माता–पिता का ध्यान रखें। उन्होंने आपके लिए बहुत परिश्रम किया है। उनके साथ–साथ अपने मोहयाल समाज के साथ जुड़ें।

इससे पूर्व मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली ने मोहयाल ध्वज फहराया। श्रीमती सुनीता मेहता और श्रीमती कृष्णलता छिब्बर के साथ मोहयाल प्रार्थना पढ़कर अपने समाज के कल्याण की कामना की। मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली ने श्री ओ.पी. मोहन, श्री धर्मवीर मोहन, श्री बी.एल. छिब्बर, श्री प्रमोद कुमार दत्ता और अशोक लव के साथ दीप प्रज्वलित करके समारोह का आरंभ किया।

मोहयाल सभा देहरादून द्वारा प्रकाशित स्मारिका और सीडी सभा के अध्यक्ष श्री राजेश मोहन ने मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली को और अन्य पदाधिकारियों को भेंट की।

कार्यक्रम का आरंभ 'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान' के संयोजक श्री अशोक लव ने किया। उन्होंने इस सम्मान की पृष्ठभूमि बताई और कहा कि पहली बार सौ से अधिक मोहयाल विद्यार्थियों को सम्मानित किया जा रहा है जिसका सबने तालियाँ बजाकर स्वागत किया। उन्होंने देश के विभिन्न नगरों से आए पुरस्कृत किए जाने वाले विद्यार्थियों और उनके परिवारजन का स्वागत किया।

श्री ओ.पी. मोहन द्वारा 'श्रीमती केशरा देवी और मेहता तीर्थराम मोहन ट्रस्ट' की स्थापना की गई है। इस ट्रस्ट की ओर से प्रथम आने वाले दो विद्यार्थियों– एक छात्र और एक छात्रा को पुरस्कृत किया जाता है। इस वर्ष बारहवीं कक्षा की छात्रा सोनाली दत्त और छात्र राजीव बाली को मेहता ओ.पी. मोहन और श्रीमती शकुंतला मोहन ने 5000–5000 रु. और गोल्ड मेडल प्रदान करके पुरस्कृत किया। श्री ओ.पी. मोहन जनरल मोहयाल सभा के सीनियर वाइस प्रेज़ीडेंट हैं।

श्री एस.के. छिब्बर द्वारा श्री सुनहरी लाल छिब्बर और श्री मोहनलाल छिब्बर की स्मृति में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले एक छात्र और एक छात्रा को पुरस्कृत किया जाता है। श्री एस.के. छिब्बर और श्रीमती कृष्णलता छिब्बर ने रुचिता बाली और आकाशदीप सिंह बाली को 2500–2500 रु. और स्मृति–चिह्न भेंट किया। श्री एस.के. छिब्बर जनरल मोहयाल सभा के फाइनेंस सेक्रेटरी हैं।

श्री पी.के. दत्ता प्रति वर्ष तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हैं। उन्होंने छात्रा श्रेया बाली और छात्र कार्तिक दत्ता को 1500–1500 रुपए देकर पुरस्कृत किया।

श्री जीतेंद्र दत्ता और श्रीमती अचला दत्ता (अमेरिका) ने पुनीत दत्ता स्मृति एजूकेशन ट्रस्ट की ओर से बारहवीं कक्षा में आई.टी. विषयों में पुरस्कृत करते हैं। इस वर्ष उनकी ओर से दो छात्राओं रीतिका दत्ता और स्मृद्धि दत्ता तथा दो छात्रों शिवम बक्शी और अजय दत्ता प्रत्येक को 2500 रु. तथा स्मृति–चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

श्री रवि दत्त बाली (फरीदाबाद) बारहवीं कक्षा में कॉमर्स विषय में सर्वश्रेष्ठ अंक लाने वाले एक छात्र और एक छात्रा को पुरस्कृत करते हैं। उन्होंने छात्रा सोनाली दत्त और छात्र शांतनु दत्ता को 2500–2500 रु. देकर पुरस्कृत किया।

मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली ने जीएमएस की ओर से दसवीं कक्षा में दस ग्रेड लाने वाले 17 निम्न विद्यार्थियों को एक–एक हज़ार रुपए देकर पुरस्कृत किया–

1. साधिका मेहता लौ 2. मंजिष्ठा दत्ता 3. ध्रुव मेहता 4. विन्नी वैद 5. संस्कृति छिब्बर 6. रायज़ादा युगिंदु वैद 7. पुनीता दत्ता 8. सोनाली दत्ता 9. निमित बाली 10. सुप्रिया मेहता मोहन 11. उदित दत्ता 12. रिया बाली 13. गर्विता बाली 14. निधि छिब्बर 15. पीयूष

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बक्शी 16. वैष्णवी मेहता लौ 17. जाह्नी मोहन।

इसके पश्चात बारहवीं के विद्यार्थियों को 'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान' से सम्मान–पत्र और रिस्टवाच देकर सम्मानित किया गया। बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए 'आशु भाषण प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इसका विषय था– 'बच्चों के विकास में माता–पिता की भूमिका (Parents role in shaping their children) उन्हें तीन मिनट का बोलने का समय दिया गया। इसमें 17 विद्यार्थियों ने भाग लिया। श्री बी.एम. दत्ता और डॉ. रतन कुमार दत्ता निर्णायक थे। इसका परिणाम इस प्रकार था।

प्रथम पुरस्कार–निष्ठा बक्शी लौ (2100 रु.)
द्वितीय पुरस्कार–स्मृद्धि दत्ता (1100 रु.)
तृतीय पुरस्कार–सोनाली दत्ता (1100 रु.)

जनरल मोहयाल सभा की ओर से मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली और श्री ओ.पी. मोहन द्वारा इन्हें पुरस्कृत किया गया।

श्री ओ.पी. मोहन द्वारा इन्हें पुरस्कृत किया गया।

श्री रमेश दत्ता (सदस्य, मैनेजिंग कमेटी जी.एम.एस.) ने प्रत्येक प्रतिभागी को 500–500 रुपए देकर पुरस्कृत किया।

इसके पश्चात दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को रायज़ादा बी.डी. बाली ने सम्मानित किया।

इसके पश्चात दसवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों का जीएमएस पदाधिकारियों के साथ ग्रुप फोटोग्राफ़ लिए गए। श्री ओ.पी. मोहन ने सबका धन्यवाद किया। उन्होंने समस्त सम्मानित विद्यार्थियों को बधाई दी। देश के कोने–कोने से आए मोहयालों का धन्यवाद किया।

इस सम्मान–समारोह में लगभग 350 मोहयाल उपस्थित थे। सम्मान समारोह के प्रवेश द्वार पर 106 विद्यार्थियों के फोटोग्राफ़ को बोर्ड लगा हुआ था। प्रत्येक विद्यार्थी ने अपनी फ़ोटो के नीचे हस्ताक्षर करने की होड़ लगी हुई थी। माता–पिता अपने बच्चों के फ़ोटोग्राफ़ देखकर प्रसन्न हो रहे थे। पहली बार पुरस्कृत विद्यार्थियों के 106 फ़ोटोग्राफ़ सप्तर्षियों के फ़ोटोग्राफ़ और मोहयाल प्रार्थना को एक पुस्तिका के रूप में प्रकाशित किया गया था। सम्मान–पत्र और इसे फ़ोल्डर में भेंट किया गया था।

समारोह का एक आकर्षण था कैप्टन के.एल. डोभाल द्वारा 'मोहयाल चालीसा' पढ़ना। हनुमान चालीसा शैली पर आधारित मोहयाल चालीसा को कैप्टन डोभाल ने सुमधुर स्वर से पढ़ा। सब एकाग्र होकर इसे सुनते रहे। सबने देर तक तालियाँ बजाकर और खड़े होकर कैप्टन डोभाल का धन्यवाद किया।

समारोह के पश्चात सबने मिलकर प्रीति–भोज किया। प्रत्येक समारोह की सफलता का श्रेय पूरी टीम को जाता है। इस समारोह की पृष्ठभूमि में मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली सदा प्रेरक के रूप में रहे हैं।

सर्वश्री ओ.पी. मोहन, बी.एल. छिब्बर, पी.के. दत्ता, डी.वी. मोहन, एस.के. छिब्बर, योगेश मेहता, के.जी. मोहन, अशवनी बक्शी, श्रीमती सुनीता मेहता, श्रीमती कृष्णलता छिब्बर की इसकी सफलता में अहम भूमिका थी।

जी.एम.एस. सेक्रेटेरिएट के समस्त कर्मचारियों ने कैप्टन के.एल. डोभाल के साथ मिलकर महत्वपूर्ण कार्य किया।

जय मोहया ल !

शेरों के बच्चे भी शेर

यह सच है कि मोहयालों की कौम एक शेर दिल कौम है। शेर वे होते हैं जो निर्भीक हो, साहसी हो तथा गतिशील (वाइब्रैंट) हों। सन् 1947 में देश विभाजन के बाद अपने भरे–पूरे परिवार को छोड़कर

बिल्कुल खाली हाथ आए, हम शरणार्थी लोगों ने शरणार्थी कैंपों में ही पुरुषार्थी बन जाने की इच्छा–शक्ति जगा ली थी। 1952 तक हम सभी पुरुषार्थी भी बन गए थे। कभी भी आरक्षण की माँग तक नहीं की और अपने हाथ को ही जगन्नाथ कर दिखाया, इसीलिए ये सभी शेर हैं।

इसी पुरुषार्थी की भावना को अच्छे संस्कारों के साथ मिलाकर हमने अपने बच्चों का विकास किया तथा कम से कम साधनों से अधिक से अधिक उपयोगिता प्राप्त कर इस बुलंदी पर पहुँच गए हैं। ये बच्चे ही अब हमारे परिवारों की बैक बोन हैं। मोहयालों का गौरव हैं तथा भारत की शान हैं।

समाज के उत्थान में जातीय संस्थाओं का बड़ा योगदान होता है। जनरल मोहयाल सभा ने भी अपने इन बच्चों को प्रोत्साहन दिया है। ये बच्चे किसी भी बोर्ड से दसवीं/बारहवीं का सार्टिफिकेट तो जरूर प्राप्त करते हैं परन्तु जन.मो.स. जैसे अपने वरिष्ठ समाजसेविकों को मोहयाल गौरव से सम्मानित करती है ठीक उसी तरह इन बच्चों को भी कनिष्ठ पुत्र/पुत्रियों को भी इन प्रतिभाशीलता का गौरव प्रदान करती है इसीलिए ये बच्चे भी शेर हैं, क्योंकि इन्होंने भी कम साधनों में अधिक प्रतिभा दर्शायी है। इसमें मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी का तथा मोहयाल गौरव डॉ. अशोक लव का योगदान विशेष रूप से है।

विशेषः यह खुशी की बात है कि यमुनापार (दिल्ली) की मोहयाल सभा ने इन प्रतिभाशाली छात्र/छात्राओं के पठन–पाठन में सहायक सामग्री वितरण का शुभारम्भ सन् 2012 में कर इन बच्चों को प्रोत्साहित किया है।

*–**नरेन्द्र लव,** शाहदरा दिल्ली (मो.) 9911564481*

रचनाएँ भेजते समय ध्यान दें

- रचनाएँ पोस्टकार्ड या छोटे–छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर न भेजें। रिपोर्ट और रचनाएँ आदि साफ़ स्पष्ट और शुद्ध लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। ई–मेल से रचनाएँ टाइप करके ही भेजें।
- प्रत्येक रचना भेजने के पश्चात दो माह प्रतीक्षा करें। इसके पश्चात ही कार्यालय से पूछताछ करें।

PDF compression, OCR, web optimization using a wat

मोहयाल आश्रम वृंदावन के लिए एल.जी. कंपनी का बत्तीस इंच एलईडी टीवी टाटा स्काई डिस्क भेंट

गाजियाबाद सूर्यनगर निवासी श्रीमान कस्तूरीलाल जी एवं श्रीमती रीटा बाली ने अपना व्यस्तम् समय निकाल कर अस्वस्थता के दौरान एक सप्ताह मोहयाल आश्रम वृंदावन में स्वास्थ्य लाभ हेतु

निवास किया। श्रीमती रीटा बाली गत एक वर्ष से अस्वस्थता के दौरान प्रथम बार बांकेविहारी की नगरी वृंदावन में स्वास्थ्य लाभ के लिए आयी।

मोहयाल आश्रम की शान्तता, मनमोहक वातावरण, हरियाली, खुशयाली ने उनका मनमोह लिया। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने वृंदावन मोहयाल आश्रम के लिए एल.जी. कम्पनी का 32 इंच एलईडी टी.वी. टाटा स्काई डिस्क सहित सप्रेम भेंट किया, जिससे मैनेजर पी.के. बाली एवं मार्केटिंग मैनेजर राजेश शर्मा द्वारा सहृदय से स्वीकार करते हुए धन्यवाद देकर आभार व्यक्त किया।

वैवाहिक वर्षगांठ पर बधाई

श्रीमती भारती छिब्बर व श्री सतीश छिब्बर निवासी 1275 सैक्टर 45 चण्डीगढ़ की चौथी वैवाहिक वर्षगांठ दिनांक 10 नवंबर 2013

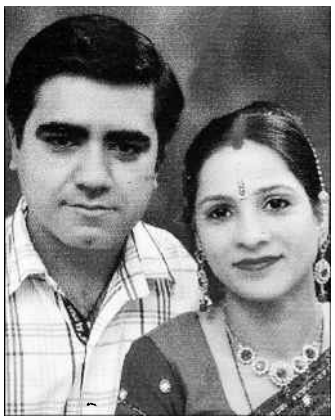

को बड़े ही धूमधाम से इनके निवास पर मनाई गई। परिवार के सभी सदस्यों ने छिब्बर परिवार को बधाई दी। श्रीमती भारती छिब्बर व श्री सतीश छिब्बर ने इसी दिन सुबह मोहयाल सभा अंबाला शहर द्वारा आयोजित मोहयाल मिलन में भी अपनी उपस्थिति दी। अपनी चौथी वैवाहिक वर्षगांठ पर इन्होंने दो सौ एक रुपए जनरल मोहयाल सभा वृंदावन लंगर फण्ड हेतु भेंट किए। चौथी वैवाहिक वर्षगांठ पर मोहयाल सभा अंबाला शहर के द्वारा हार्दिक बधाई।—*पंकज बाली, महासचिव मोहयाल यूथ विंग अंबाला।*

श्री गणेशाय नमः

स्मृतियाँ

कभी कभी बीते दिनों में झांकना बहुत अच्छा लगता है। समय 6 अक्तूबर 2013 जन्मदिन हमारे सीनियर वाईज प्रेसीडेंट श्री ओ. पी. मोहन जी का, सभी सुन्दरकाण्ड पाठ का आनन्द ले रहे थे। पाठ के समाप्त होने पर सभी ने फूलों द्वारा आपको शुभकामनाएँ दी। सुन्दरकाण्ड पाठ के पश्चात जन्मदिन का केक काटा गया एवम् सबने ''हैप्पी बर्थ डे टू मोहन साहब'' के स्वरों से श्री ओ.पी. मोहन जी की दीर्घायु की कामना की।

तदोपरान्त सभी प्रसाद एवम् भण्डारा ग्रहण करने के लिए टेबलों पर बैठ गए। एक राउन्ड टेबल पर हमारी आदरणीय श्रीमती नीता बाली जी, श्रीमती शकुन्तला मोहन जी, श्रीमती उमा मोहन, श्रीमती खन्ना जी, श्रीमती कृष्णलता छिब्बर, श्रीमती जनक छिब्बर, श्रीमती जे.सी. बाली, श्री एस.के. छिब्बर पूर्व राज्यपाल मिजोरम की सुपुत्री अनु विराजमान थी। चर्चा हुई वृंदावन जाना चाहते हैं। सभी मिलकर चलते हैं। कौन प्रोग्राम बनायेगा। सबकी सहमति से कार्य की जिम्मेदारी श्रीमती नीता बाली जी ने मुझे दी, कहा आप सबको एकत्र करें। हम इस वक्त वृंदावन जाना चाहते हैं। आपने जिसको कहा मैंने उन्हें संपर्क करना प्रारम्भ किया। श्री एस.के. छिब्बर पूर्व राज्यपाल मिजोरम व उनकी पुत्री अनु, सीनियर वाईज प्रेसीडेंट श्री ओ.पी. मोहन जी, श्रीमती शकुतंला मोहन जी, सेक्रेटरी जनरल श्री डी.वी. मोहन जी, श्रीमती उमा मोहन जी, श्री बी.एल. छिब्बर जी, श्रीमती जनक छिब्बर जी, श्री जे.सी. बाली जी, श्रीमती जे.सी. बाली जी, श्री पी.के. दत्ता, श्रीमती प्रभा दत्ता, डा. अशोक लौ, श्रीमती नरेश बाला लौ, श्री योगेश मेहता, श्रीमती सुरभि मेहता, श्री कामरान दत्ता, श्रीमती मधु दत्ता।

सभी 14 से 15 अक्टूबर परिवार के साथ वृंदावन जाने के लिए तैयार हो गए। श्री एस.के. छिब्बर पूर्व राज्यपाल मिजोरम, श्री पी.के. दत्ता एवम् श्रीमती प्रभा दत्ता किसी कारणवश वृंदावन नहीं आ पायेगें। हमारे प्रधान रायज़ादा बी.डी. बाली जी के साथ उनके दो परिवार गेस्ट भी वृंदावन देखने आए थे। हमारे प्रधान मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी वृंदावन उद्घाटन के समय स्वास्थ्य ठीक न रहने के कारण नहीं आ पाए थे। मैंने वृंदावन आश्रम में आप सबके रहने के लिए, सभी व्यवस्था में जुट गई। हमारे प्रधान मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी एवं श्रीमती नीता बाली जी के आदर सत्कार में कोई भी कमी न हो। श्री कामरान दत्ता जी, वृंदावन आश्रम कार्यकर्त्ताओं ने वहाँ सभी का स्वागत आरती, मालाओं फूलों द्वारा किया गया। वृंदावन आश्रम को फूलों द्वारा सजाया गया। सर्वप्रथम पंडित जी ने कृष्ण–राधा की मूर्ति के सन्मुख आपसे पूजा पाठ करवाया गया एवम् सबको प्रसाद वितरित किया गया। दोपहर हम सबने भोजन के पश्चात श्रीमती नीता बाली जी से आग्रह किया सभी गोवर्धन आश्रम और गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा करें। आप सभी चलने को तैयार हो गए। हम सभी ने गोवर्धन आश्रम देखा और गोवर्धन की परिक्रमा का

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

आनन्द उठाया।

सांय हम वृंदावन आश्रम पहुँचे। वहाँ हमें गुरू विजय छिब्बर जी करनाल वाले ओशों का शिविर लगा हुआ था। उन्होंने वृंदावन आश्रम में कमरे बुक करा रखे थे। आप मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी से मिले। आपने जीएमएस के सभी सदस्यों को अपने कार्यक्रम में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया। आपने सभी सदस्यों को कृष्ण–राधा की मूर्ति से सम्मानित किया।

प्रातः सबने वृंदावन में चाय पी और ब्रेकफास्ट कर सुन्दर यादों के साथ रायज़ादा बाली जी व श्रीमती नीता बाली जी, उनके परिवार गेस्ट को विदा करने के पश्चात् हम सभी वृंदावन से दिल्ली के लिए निकल पड़े।

–श्रीमती कृष्णलता छिब्बर, सेक्रेटरी रिश्ते–नाते जी.एम.एस

पुरानी यादें नई यादों के संग

जब में 18 वर्ष का था तब कर्ण की नगरी कर्णालय अब जो करनाल के नाम से प्रसिद्ध है। उस समय श्री बी.डी. बाली मोहयाल यूथ विंग बनाने के लिए आए थे। उनसे मिलने का मौका मिला था। उसके पश्चात अब में 61 वर्ष में प्रवेश कर गया हूँ। मैं वृंदावन स्थित मोहयाल

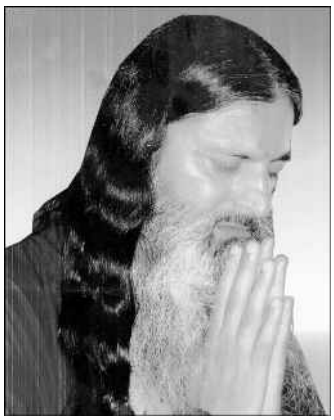

आश्रम में 14 से 16 अक्तूबर तक ध्यान कैम्प लेने अपने ग्रुप के साथ गया था। स्वागत कक्ष पर श्री पी. के. बाली मैनेजर (वृंदावन आश्रम) से मुलाकात हुई। उन्होंने बताया कि जी.एम.एस. की पूरी टीम बाली साहब के नेतृत्व में आई हुई है और गोवर्धन में बन रहे आश्रम को देखने गए है। वे अभी थोड़ी देर में लौट आएंगे। अगर आप उनसे मिलकर, जिस क्षेत्र में आप काम कर रहे हैं अवगत कराएँगे, तो वे अति प्रसन्न होंगें। थोड़ी देर में बाली साहब आ गए। मैं उसी समय उनके पास उनके दर्शन करने गया और अपना और अपने कार्य क्षेत्र का परिचय दिया। वे अति प्रसन्न हुए। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की तो मैंने अपने आपको सौभाग्यशाली माना।

वे संध्या काल में 8 बजे पूरी टीम के साथ सत्संग हाल में आए। मैंने साथ आए 50 मित्रों से उनका परिचय करवाया और भगवान कृष्ण और राधा रानी के समक्ष दीप प्रज्वलित करवा कर सत्संग का प्रारम्भ किया। बाली साहब ने पूरे देश से आए हमारे साथियों को अपनी टीम का परिचय दिया और अपनी बिरादरी के लिए उनके क्या कार्यक्रम चल रहे हैं उनसे अवगत करवाया। 'ओशो परिवार' ने सभी सबको सम्मान में राधा–कृष्ण की मूर्तियाँ भेंट किया।

अगले दिन बाली साहब ने वापिस जाना था। सुबह श्री अशोक लव मेरे पास आए और कहा कि बाली साहब चाहते हैं जो ध्यान कार्यक्रम आप करवा रहे हैं, बिरादरी की युवा पीढ़ी को भी उससे अवगत कराएँ जो मैंने स्वीकार कर लिया। बिरादरी के युवा जो ध्यान में दिलचस्पी रखते हैं, आएँ और मिलकर ध्यान के मार्ग से बिरादरी की सेवा करें और कार्यक्रम को आगे बढ़ाएँ।

कार्यक्रम में उपस्थित जीएमएस के सदस्यों की कुछ यादें जो आपको प्रेम सहित भेज रहा हूँ। धन्यवाद!

आपका–विनोद छिब्बर, 57 प्रेम नगर करनाल, मो. 09728700460

सफलता के गुर

मानव जीवन एक संघर्षमय काल है। कदम–कदम पर और पल–पल पर मनुष्य को जूझना पड़ता है। वही मनुष्य जीवन में सफलता प्राप्त करता है जो अंग्रेजी के तीन शब्दों अक्षरों को हृदय में धार कर आचरण करता है। पक्का (Determination) इरादा लगन (Dedication) और (Devotion) समर्पता। ये तीनों शब्द 'डी' अक्षर से शुरू होते हैं। इन शब्दों से सीख लेकर मानव किसी बड़े से बड़े कार्य को भी पूर्ण कर सकती है। सेना में जब एक अध्यापक जिसे साधारण भाषा में मिलिट्री में उस्ताद कहा जाता है जब हथियारों का प्रशिक्षण देता है तो अपने अधीन शिक्षार्थियों (Trainee Cadets) को पहला गुरु सिखाता है "पुख्ता इरादा" (Determination) पक्के इरादे से ही वह पक्की पकड़ रखकर हथियार चलाने का क्षमता रखता है और सफलता प्राप्त करता है। हमारे नवयुवकों को चाहिए कि 'डी' अक्षर से बने तीनों शब्दों को अपने जीवन में अपनाएं तथा जीवन सफल बना कर अपनी बिरादरी अर्थात मोहयाल बिरादरी को चार चाँद लगाएँ।

इसके साथ–साथ यदि वे अध्यात्मक पहलू को भी अपने जीवन में ढाल लें तो सोने पर सुहागे का काम होगा। इसके लिए श्री राम जी को कभी न बिसारे। भगवान राम जी को याद रखने से हर समय मानव भटकने से बचेगा तथा कुसंगति से बचेगा। इसके लिए नीचे की तीन पंक्तियों को याद रखे।

इकल्ले दुकल्ले राम मेरा चले, रातीं प्रभातीं राम मेरा साथी।
हनेरे सवेरे राम मेरा चार चुफेरे।।

इन शब्दों से वह जीवन रूपी नैया को पार करेगा तथा सफलता उसके पाँव चूमेगी। सभी मोहयाल भाई बहनों से प्रार्थना है कि अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देकर ऊपर के गुण भी दें ताकि आने वाली पीढ़ियाँ मोहयाली आन, बान तथा शान को बनाए रखे तथा ऊँची शिखिर पर चढ़ाने का प्रयास करें।

–राम लुभाया दत्ता, *रिटार्यड मुख्य अध्यापक, गुरदासपुर*

यादें

'लोग कहते हैं किसी एक के जाने
से हमारी जिन्दगी रुक नहीं जाती
यह कोई नहीं जानता कि लाखों
के मिल जाने से भी उस एक
की कमी पूरी नहीं होती।
ग़म भुलाने के लिए थोड़ी पीली हमने
ग़मों को घोल कर शराब पीली हमने
यह कमवख्त दारु भी बेवफ़ा निकली
नशे में वो और भी याद आने लगे।
–बृजमोहन (मो. 9811244020)

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

जालन्धर

जालन्धर मोहयाल सभा की सभा की साधारण बैठक 20.10.2013 को श्री सुनील बाली के निवास स्थान ई.आर. 109, पक्का बाग में हुई, जिसकी सूचना जालन्धर पंजाब केसरी में प्रकाशित भी की हुई। बैठक में लगभग 63 सदस्य उपस्थित हुए जिसमें विशेरूप से विजयंत बाली होशियारपुर से तथा अमोलक सिंह दत्ता और सदस्यों के साथ लुधियाना से विशेष रूप से उपस्थित हुए।

सर्वप्रथम मोहयाल प्रार्थना पढ़ी गई, इस उपरान्त श्रीमती काजल मेहता (पत्नी श्री संजय मेहता) का अचानक निधन हो जाने पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। प्रधान श्री पवन बाली जी ने राजेश्वर चौधरी दत्ता की सेहत के बारे में बताया और प्रार्थना की गई कि उनका स्वास्थ्य शीघ्र ठीक हो। श्री गुलशन दत्ता जी ने सुझाव दिया कि सभी यूथ को प्रोत्साहित करें। पिछले लम्बे समय से मोहयाल सभा जो पिछड़ गई है, वह अपने पुराने यौवन पर लाएँ। जिसका सभी ने पुरजोर समर्थन किया। श्री ज्ञान दत्ता और शीतल मोहन को सम्मानित किया गया। श्री पवन बाली ने विशेष रूप से लुधियाना व होशियारपुर से आए सभी सदस्यों का धन्यवाद किया। सुनील कुमार दत्ता सेक्रेटरी ने 29.09.2013 को हुई बैठक की अखबारों में आई खबर पढ़कर सुनाई तथा सुनील बाली का अपने घर में मीटिंग का अयोजन करने का धन्यवाद किया।

श्री पवन बाली को जिला मोहयाल सभा का प्रधान नियुक्त किया गया। जिला प्रधान रविनंदन चौधरी ने व्यस्तता के चलते पद छोड़ने की पेशकश की थी। नवनियुक्त प्रधान ने अपनी टीम में पुष्प बाली को वरिष्ठ उपप्रधान, वरुण बाली को स्पोर्ट्स विंग का प्रधान, रविनंदन चौधरी को संरक्षक, सुनील बाली को उप प्रधानर, अजय दत्ता को संयुक्त सचिव, नरिन्दर दत्त को महासचिव, सुनील दत्ता को सचिव, नरेश मेहता को कोषाध्यक्ष, गुलशन दत्ता को मुख्य संरक्षक और ज्ञान दत्ता को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया।

शांति पाठ के साथ मीटिंग समाप्त हुई। ***-एस. दत्ता***

उत्तम नगर

फेसबुक पर मोहयाल सभा उत्तम नगर की कार्यशैली एवं कार्यकारिणी सदस्यों पर कीचड़ उछालते–उछालते सभा के प्रधान श्री अनिल कुमार बाली जी ने फेसबुक पर अपना इस्तीफा पोस्ट कर दिया। जिसे सीनियर उपप्रधान श्री राजीव बाली, उपप्रधान श्री प्रवीण कुमार दत्ता एवं श्री एस.पी. वैद, महासचिव श्री सुनील दत्त, एवं वित्त सचिव श्री संजय बक्षी ने आपस में विमर्श कर एवं बाकी सदस्यों से फोन पर अवगत करा फेस बुक पर ही इस्तीफा मंजूर कर लिया और अपनी नई टीम की घोषणा फेसबुक पर ही पोस्ट कर दी। नई टीम के सदस्य इस प्रकार हैं:–

प्रधान–श्री सुनील दत्त, सीनियर उपप्रधान–श्री राजीव बाली, उपप्रधान–श्री एस.पी. वैद एवं महासचिव–श्री प्रवीण कुमार दत्ता, वित्त सचिव–श्री विनीत छिब्बर, सचिव–श्री अविनाश दत्ता एवं संरक्षक–श्री विश्वनाथ दत्ता, श्री चमन लाल दत्ता, श्री सुरेन्द्र वक्षी।

''अज्ञान की अपनी ताकत है और आकषर्ण है। अज्ञान की सुंगध मदहोश कर देती है जबकि ज्ञान जमीन पर ला देता है।'' इसी अज्ञानता की मदहोशी में कुछ लोग 'फेसबुक' जैसी सोशल साइट पर अपने ही समाज को तोड़ने और उनमें फूट डालने की कोशिश में दिन रात लगे रहते हैं। जो बात फेस–टू–फेस हो सकती है, होनी चाहिए। वह फेसबुक पर क्यों? फेसबुक का इस्तेमाल नए–नए रिश्तों से जुड़ने और उसे मजबूत बनाने के साधन के रूप में होना कि बदले की भावना क्रोध, ईर्ष्या, या एक दूसरे के प्रति नफरत दिखाने के लिए हो। हर सभा में बड़ी मुश्किल से कार्यकारिणी के सदस्य अपना समय एवं धन जितनी उनमें क्षमता है अपने समाज के हित के लिए लगाने को तत्पर रहते हैं उन्हें आपके प्यार विश्वास और हौसले की जरूरत होती है।

फेसबुक के वह सभी प्रिंट आउट की फोटोस्टेट जिसमें अनिल कुमार बाली जी का इस्तीफा और मोहयाल बिरादरी को जोड़ने का नाटक करने वालों के तोड़ने वाले बेशुमार कमेंटस है सभा के ज्यादातर परिवारों को भेज दिए हैं।

सुनील दत्ता, *प्रधान*
(9311466836)

संजय बक्षी, *महासचिव*
(9811008335)

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

जगाधरी वर्कशाप

मासिक बैठक दिनांक 04.11.2013 को प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाली प्रार्थना के साथ श्री रोहित दत्ता (सुपुत्र स्वर्गीय श्री महिन्द्र दत्ता) जी के निवास स्थान पीर वाली गली, छछरौली में आरम्भ हुई, जिसमें लगभग 15 सदस्यों ने भाग लिया और परिवार की तरफ से जी.एम.एस. को 100 रु. व मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप को 100 रु. भेंट किए।

श्री राजीव मोहन और संजीव मोहन जी ने अपने पिता स्व. श्री रनबीर मोहन जी की याद में दोनों भाईयों ने मिलकर मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप को 200 रु. भेंट किए।

शोक समाचारः मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप के प्रमुख सलाहकार श्री हरबन्स लाल लौ जी का निधन दिनांक 04.10.2013 को और उठाला 12.10.2013 को कैप्टन पैलेस निवास स्थान कांसापुर रोड, यमुना नगर में हुआ। आए हुए सभी मोहयाल भाई–बहनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा व भगवान से प्रार्थना की और लौ परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे। लौ परिवार की और से जीएमएस को 150 रुपए व मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप को भी 150 रु. भेंट किए। श्री हरबन्स लाल लौ सभा के महासचिव श्री दिलबाग राय लौ (मेहता) के बड़े भाई थे।

यमुनानगर में कई मोहयालों के मोहयाल मित्र घर पर नहीं पहुँच रहे हैं। क्या कारण है। सभा में मोहयाल प्रार्थना है। इस मोहयाल प्रार्थना में मोहयाल एक साथ रहने की, एक दूसरे की भलाई की, आपस में प्रेम से रहने की बातों पर हम सब मोहयाल चलते हैं या फिर फर्जी करवाई करते हैं।

अन्त में शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई। सभा आयोजन व जलपान की व्यवस्था के लिए रोहित दत्ता परिवार का धन्यवाद किया गया। प्रधान जी ने आए हुए सब सदस्यों का धन्यवाद किया और अगली मासिक बैठक अशोक कुमार वैद जी के निवास स्थान पर दिनांक 01.12.2013 को होगी।

*–**मेहता दिलबाग राय लौ,** महासचिव*
मो. 08950617435

महिला मोहयाल सभा देहरादून

आपको ये सूचित करते हुए हमें हर्ष हो रहा है, कि देहरादून की मोहयाल महिलाओं ने मिलकर ''महिला मोहयाल सभा'' गठन करने का प्रयास किया। हमें अपने कार्यकारिणी के साथ 200 का डीडी और मोहयाल सभा देहरादून जो कि काफी समय से कार्यरत है, उनका समर्थन पत्र हम अभी इस पत्र व्यवहार में नहीं भेज पाएंगे क्योंकि यहाँ देहरादून मोहयाल सभा के सचिव शहर से बाहर गए हुए हैं। जैसे ही वो आएंगे उनसे लिखवा कर हम जल्दी ही भिजवा देंगें। अभी देरी न हो और उनसे मोहयाल मित्र में हमारी ''महिला मोहयाल सभा'' के परिचय में देरी न हो जाए। धन्यवाद!

*सधन्यवाद–**ललिता दत्ता***

''महिला मोहयाल सभा'' की मासिक मीटिंग श्रीमती ललिता दत्ता जी के रेस्टोरेंट पर संपन्न हुई, इसी मीटिंग में 12 महिलाएं उपस्थित हुई। इससे पूर्व अप्रैल माह में श्रीमती सविता मेहता वैद जी के यहाँ महिला मोहयाल सभा का गठन हुआ। इस सभा में सर्वसम्मति से निम्न कार्यकारिणी का गठन हुआः–

प्रधानः श्रीमती ललिता दत्ता, **सचिवः** श्रीमती सविता मेहता वैद, **उप-प्रधानः** श्रीमती रीटा मेहता, **सह-सचिवः** श्रीमती इन्दु दत्ता, **कोषाध्यक्षः** श्रीमती गीता मोहन।

सभा में यह विचार किया गया कि जरूरत मंद लोगों की सहायता की जाए तथा सभा को बेहतर बनाया जाए, नए सदस्यों को जोड़ा जाय। सभा के अंत में शांति पाठ किया गया। प्रधान श्रीमती ललिता दत्ता की तरफ से जलपान का आयोजन किया गया। महिला मोहयाल सभा की मीटिंग हर माह के दूसरे रविवार को दत्ता फूड जंक्शन कृष्ण नगर चौक देहरादून पर होती है।

*–**सविता मेहता वैद,** सचिव (मो. 9837511348)*

पानीपत

सभा की मासिक बैठक 6 अक्तूबर 2013 को प्रधान श्री कैलाश वैद जी अध्यक्षता में श्री प्रवीण व नवीन वैद जी (2399, न्यू हॉऊसिंग बोर्ड स्थित निवास स्थान) पर हुई।

मोहयाल प्रार्थना के पश्चात तीन बार गायत्री महायन्त्र का उच्चारण किया गया। जी.एम.एस. सदस्य श्री ऋत मोहन जी ने सदस्यों को जानकारी दी कि नवम्बर माह में 'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी समारोह' का आयोजन किया जा रहा है।

अतः इसमें वह सभी अभिवावक अपने बच्चों के साथ अवश्य भाग लें, जिनके बच्चों ने इस बार इसके लिए आवेदन किया गया है, यह कार्यक्रम अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। इसी प्रकार से निकट भविष्य में युवा शक्ति को बिरादरी के कार्यों में हिस्सेदारी के लिए 'युवा शिविर' भी लगाया जा रहा है। सदस्यों ने इन दोनों आयोजनों के लिए जी.एम.एस. की प्रशंसा की।

श्री कैलाश वैद ने सदस्यों से जी.एम.एस. के स्थायी सदस्य बनने का अनुरोध किया। श्री प्रवीण वैद ने जानकारी दी, कि उनकी सभा श्री राधा कृष्ण परिवार शहर में अनेक प्रकार के धार्मिक व सामाजिक कार्यों का आयोजन करती रहती है। अतः इच्छुक मोहयाल इसके साथ जुड़ सकते हैं। सदस्यों को बताया गया कि नई दिल्ली स्थित मैरिट संस्थान में युवाओं के कैरियर हेतु अनेक प्रकार के कोर्स चल रहे हैं। जो कि पूर्णतः मान्यता प्राप्त हैं, साथ ही मोहयाल बच्चों के लिए इसमें फीस भी कम है, सभी मोहयाल बच्चों को इसका फायदा उठाना चाहिए।

शांति पाठ के साथ बैठक समाप्त हुई। मीटिंग रखने व जलपान की व्यवस्था के लिए श्रीमती बबीता वैद, श्रीमती रजनी वैद, श्री प्रवीण वैद व श्री नवीन वैद का धन्यवाद किया गया।

*–**नरेन्द्र छिब्बर,** सचिव (मो. 09416412184)*

मोहयाल सभा उत्तम नगर और कुरूक्षेत्र की रिपोर्ट पिछले अंक में प्रकाशित नहीं हो सकी। मोहयाल सभा उत्तमनगर की इस अंक में प्रकाशित की जाएगी।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बराड़ा

मासिक बैठक दिनांक 06.10.2013 को सभा के प्रधान श्री हरदीप सिंह वैद की अध्यक्षता में श्री वीरेन्द्रपाल सिंह बाली जनरल सेक्रेटरी के घर पर मोहयाली प्रार्थना के साथ आरम्भ हुई, जिस 15 सदस्यों ने भाग लिया। सर्वप्रथम सभा के सचिव श्री बलदेव सिंह दत्ता ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़ कर सुनाई व खर्च का हिसाब दिया। जिसे सभी ने अपनी सहमति प्रकट की। सभा के सेक्रेटरी श्री लक्षमण देव छिब्बर ने सभी से पुरजोर अनुरोध किया कि रिश्ते–नाते अपनी बिरादरी में ही होने चाहिए। जो जीएमएस व बराड़ा मोहयाल सभा के सदस्य नहीं बने कृपया जल्द ही सदस्यता ग्रहण करें।

शोक संदेशः श्री रायज़ादा रिषपाल कृष्ण बाली जी के निधन का शोक दो मिनट का मौन रख कर प्रार्थना की, कि दिवंगत आत्मा को प्रभु चरणों में स्थान मिले व बच्चों को दुःख सहन करने की शक्ति दें। रिषपाल कृष्णा बाली की रस्म पगड़ी उनके गाँव गोला में 10.09.2013 को हुई ये 79 वर्ष के थे। सभा के सभी सदस्य शोक सभा में उपस्थित हुए। बाली परिवार ने मोहयाल सभा को 1000 रु. भेंट किए। सभा के प्रधान ने परिवार को दुख सहन करने की शक्ति दें।

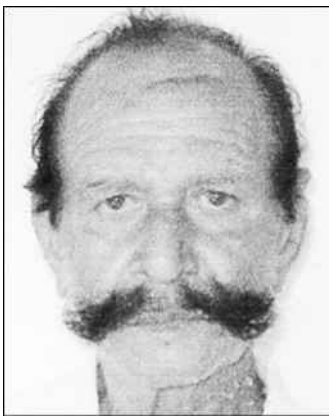

–सरदार वीरेन्द्रपाल सिंह, *महासचिव*
मो. 9991541515

स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर

स्त्री मोहयाल सभा की मासिक मीटिंग श्रीमती अनिता जी के निवास स्थान पर हुई, श्रीमती कमला दत्ता ने मीटिंग की अध्यक्षता की। गायत्री मंत्र के साथ मीटिंग की कार्यवाही शुरू हुई।

मीटिंग में सभी बहनों ने भाग लिया और स्थापना दिवस मनाने पर विचार किया गया। सभी बहनों ने श्री अशोक लव जी को स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर की तरफ से हिंदी साहित्य सेवी सम्मान–2013 से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। श्री अशोक लव जी का हिंदी भाषा और साहित्य में काफी योगदान है। उन्होंने साहित्यक और शैक्षिक पुस्तकें लिखी हैं। भगवान करे वो आगे भी अपनी बिरादरी का नाम रोशन करते रहेगें।

मीटिंग में सभी बहनों को जीएमएस के आजीवन सदस्य बनने पर जो दिया गया। श्रीमती निशा मोहन, श्रीमती वीना वैद, श्रीमती विजय लक्ष्मी, श्रीमती सुरक्षा मेहता और निशि दत्ता ने अपने विचार रखे।

शांति पाठ के साथ मीटिंग की समाप्ति हुई।

–श्रीमती परवीन बाली, *सचिव*
फोनः 01732–226799

पांवटा साहिब

दिनांकः 20.10.2013
स्थानः श्री अरूण कुमार छिब्बर, सचिव, 280/1 फ्रेंडज एन्क्लेव, वार्ड नं. 11, शुभखेड़ा पांवटा साहिब, जिला सिरमौर हिमाचल प्रदेश
अध्क्षताः श्री सुरज बाली, प्रधान
उपस्थितः 31

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ सभा की कार्यवाही शुरू की गई। सर्वप्रथम पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई व सभी ने अपनी सहमति प्रदान की।

शुभ समाचारः अरूण कुमार छिब्बर, सचिव जिनका जन्मदिवस 20 अक्तूबर, 2013 को था मोहयाल भाई बहनों के साथ बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। श्रीमती राज रानी व श्री कृष्णलाल छिब्बर (माता जी व पिताजी) ने अपने पुत्र अरूण व पौत्र विप्लव छिब्बर, शोभित छिब्बर जिन का जन्म दिवस भी अक्टूबर में है के अवसर पर 251 रु. जीएमएस को व 251 रुपए मोहयाल सभा पांवटा साहिब को भेंट किए।

श्री अशवनी बक्शी जनरल सेक्रेटरी मोहयाल सभा अंबाला शहर व ज्वाइंट सेक्रेटरी यूथ एवं पब्लिक रिलेशन जनरल मोहयाल सभा नई दिल्ली जो कि विशेष रूप से उपस्थित थे ने सभा की कार्यवाही को कैसे किया जाता है बताया क्योंकि मोहयाल सभा पांवटा साहिब की चुनाव के बाद पहली सभा बैठक थी। श्री अशवनी बक्शी जी ने बताया कि रायज़ादा बी.डी. बाली जी की अध्यक्षता में जनरल मोहयाल सभा कैसे प्रगति कर रही है। जीएमएस द्वारा बिरादरी के लिए किए गए कार्यों को सभी ने सराहा। श्री अशवनी बक्शी ने 500 रुपए एमएस पांवटा साहिब को भेंट किए व 500 रु. एमएस अंबाला शहर की तरफ से भी भेंट किए। सभी सदस्यों ने उनका हार्दिक धन्यवाद किया। श्री अशवनी बक्शी जी ने सभी सदस्यों की 10 नवंबर को अंबाला शहर में होने वाले मोहयाल मिलन में आमंत्रित किया। प्रधान श्री सूरज बाली ने विशेष तौर पर कैप्टन टी.आर. बाली जी व मोहयाल सभा नारायणगढ़ का धन्यवाद दिया, जिन्होंने कि मोहयाल सभा पांवटा साहिब के गठन में 75 कि.मी. दूर से आकर सभी को संगठित कर महत्वपूर्ण योगदान दिया।

1. मोहयाल सभा पांवटा साहिब का जीएमएस में एफीलिएशन के लिए भी फार्म भर कर आवेदन किया गया।

2. मोहयाल सभा पांवटा साहिब के नाम बैंक में एकाउंट खोलने का निर्णय लिया गया।

3. सभा को पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हि.प्र. में रजिस्ट्र करवाने हेतु सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

4. श्रीमती यशोदा बाली, श्रीमती बाला बाली व अन्य उपस्थित महिलाओं व बच्चों ने बहुत सुन्दर भजन का गायन किया जिसे सभी ने सराहा।

5. श्री अशोक मेहता (छिब्बर) व श्री प्रवीन दत्ता जी ने जनरल मोहयाल सभा के आजीवन सदस्य बनने हेतु आवेदन किया।

6. सभा का सदस्यता शुल्क 400 रु. वार्षिक रखने का सर्वसम्मिति से निर्णय लिया।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

7. अगली मीटिंग जो कि 17.11.2013 को निश्चित हुई के स्थान हेतू श्रीमती विनोद मेहता व श्री अशोक मेहता जी ने अपने निवास स्थान मेन बाजार पांवटा साहिब में सपरिवार करना प्रस्तावित किया।

8. सभी सदस्यों ने श्री अरूण छिब्बर को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनायें दी व चाय नाश्ते के लिए धन्यवाद किया।

9. शांति पाठ के साथ मीटिंग का समापन किया गया।

–अरूण छिब्बर, सचिव (मो. 09418173246)

श्री सुधीर चन्द्र दत्ता का निधन

श्री सुधीर चन्द्र दत्ता जी सुपुत्र स्व. श्री रघुनाथ दास दत्ता जी का निधन दो अक्तूबर 2013 को हुआ। इनकी रस्म–पगड़ी दिनांक 11 अक्तूबर 2013 को हुई। रस्म पगड़ी पर परिवार सहित अन्य लोग भी शामिल हुए। स्व. श्री सुधीर चन्द्र दत्ता अपने पीछे पत्नी श्रीमती सुनीता दत्ता तथा बेटी दीपशिखा दत्ता को छोड़कर चले गए हैं। परिवार ने उनकी स्मृति में 200 रु. जीएमएस को अर्पित किए।–*गुरविन्द्र बाली (भाँजा) तिहाड़ गाँव, नई दिल्ली–110018*

श्रीमती राज रानी भाई (छिब्बर) प्रथम पुण्यतिथि

तुम न जाने किस जहाँ में खो गए,
हम भरी दुनियां में तन्हा हो गए।

स्वर्गीय श्रीमती राजरानी भाई (छिब्बर) धर्मपत्नी श्री ओम प्रकाश भाई (छिब्बर) की प्रथम पुण्य–तिथि 10 अक्तूबर 2013 को उनके निवास स्थान, बी–4/111, पश्चिम विहार, नई दिल्ली–63 में मनाई गई।

इस अवसर पर हवन का आयोजन किया गया व ब्राह्मण भोज करवाया गया। रिश्तेदारों के अलावा हमारा अपना भरा पूरा परिवार उपस्थित था। इसी दिन शाम को कीर्तन भजन करवाया गया। सारे परिवार ने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

स्वर्गीय राज रानी धार्मिक विचारों वाली, दृढ निश्चय वाली, दयालु, सहनशील, मिलनसार, हंसमुख और निडर व्यक्ति थीं। इसके अलावा उनकी परिवार, रिश्तेदारों और मित्रों पर प्रभुत्व स्थिति थी। पहले भी दो अलग अवसरों पर वह यमराज के द्वार से वापस आ गई थीं। किन्तु इस बार उनकी ढलती देह यमराज का सामना नहीं कर पाई और 20 अक्तूबर 2012 को बेस हॉस्पिटल, दिल्ली कैंट, में सुबह 6:30 बजे उन्होंने आखिर सांस ली।

इस अवसर पर परिवार ने लंगर फंड के लिए 11000 रु. मोहयाल आश्रम वृंदावन को और 1100 रु. मोहयाल सभा पश्चिम विहार को भेंट किए। **ल र तिि अ तबर** *–ओपी भाई (छिब्बर)–पती, बी–4/111, पश्चिम विहार नई दिल्ली, मो. 8800685001*

स्व. श्री नंदकिशोर मेहता की पांचवी पुण्य-तिथि

आप की यादें व मधुर स्मृति के साथ नतमस्तक होकर सारा परिवार आपको अश्रु पूर्ण श्रद्धांजलि देता है। बाऊ जी हमें आपसे बिछड़े हुए पाँच साल बीत गए हैं। आपने अपनी जिंदगी में कई उतार–चढ़ाव के साथ बड़ी मेहनत और ईमानदारी से सब काम किए थे।

"कर्म ही आपके स्वभाव का प्रतिबिंब था"।

इतना समय बीत जाने के बाद भी यादें धुंधली नहीं पड़ी, हां मम्मी आपके जाने के बाद हमसे तो क्या खुद से भी दूर हो गई है। घर में सारा परिवार उनकी सेवा में रहता है खास कर उनकी बहु (मीनू) लेकिन फिर भी वह बेचैनी सी रहती है।

आपके बिना हम सब की जिंदगी में एक अधूरा पन सा आ गया है। मैंने 'दीपिका' की शादी में आपको बहुत याद किया।

"हम जिंदगी में कई जख्म खाते हैं,
होंठ तो फिर भी मुस्कराते हैं"।

आपकी यादें सदैव हमारे हृदय में अंकित रहेंगी।

आपकी बेटी–सुनीता दत्ता

प्रथम पुण्य-तिथि-माँ को श्रद्धासुमन

माँ कहने और सुनने में एक शब्द पर मेरे लिए दुनिया का स्वरूप ही है–माँ
माँ आपके जीवन का सफर,
कितना अद्भूत रहा,
कैसी अमिट छाप छोड़ गया 'माँ' ?
सभी रिश्तों के सही मायने सिखाए, आपने
जिन्दगी में आई कठिन घड़ी पर,
फैसले करने की हिम्मत जुटाई, आपने
हर मुश्किल घड़ी में हमारी परछाई बन
हमारा साथ दिया, आपने,
आपके मधुर ममतामयी व्यवहार के मनके,
आज भी हमने माला में पिरो रखे हैं,
आपके स्नेहमयी पिरोई माला का मनका
कभी न बिखरे, ऐसा प्रयास रहेगा, माँ
ऐसा आइना बनाएगा, हम माँ
जिसमें आपकी तस्वीर कभी न धूमिल हो।
आपकी मधुरवाणी से आपके
पोतों ने सात सुरों की एक सरगम बनाई यश, आदित्य, आयुष ने यही धुन बजाई माँ। दादी, तू सदा हमारे हृदय में विद्यमान है, तेरे चरणों में हमारा कोटि–कोटि प्रणाम है।

बेटी–पूनम छिब्बर, 346 निमड़ी कालोनी अशोक विहार, फेस–4, दिल्ली–110052, मो. 9910426872

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

"स्व. उत्तमचन्द लव" स्मृति शेष

आद् सच, अगाध सच, नानक है वी सच, ते हो सी वी सच अर्थात सच की सृष्टि ही हमेशा रही है और हमेशा ही रहेगी यह सच ही परमात्मा का एक रूप है इसीलिए "कर्म कराए अपने आप, मानस न जाने कोय" अर्थात परमात्मा ही सभी कामों को करता है वही इस ब्रह्मांड की पहली और आखिरी शक्ति है लेकिन मनुष्य अपने आप को उससे भी ऊपर समझ लेता है जबकि समझना नहीं चाहिए। इसीलिए "किरत करो, नाम जपो, वंड छको" इन्हीं सभी आदर्शों को मन में संजोकर हमारे पिताश्री ने अपना सारा जीवन "उस" के नाम कर दिया और सद्गति प्राप्त की।

आज 11 नवम्बर सन् 1971 का वह दिन हम सभी को याद है। हम सभी ने उस परमपिता परमात्मा के साथ साथ अपने पिताश्री का भी स्मरण आज किया कि वे "वैकुण्ठ" से हमें हमेशा आलोकित करते रहेंगे। परिवार सदस्यों ने 250 रु. शिक्षा फण्ड में अर्पित की।–*नरेन्द्र, राजेन्द्र, सुरेन्द्र लव (पुत्र), शाहदरा दिल्ली, मो. 9911564481*

मोहयाल आश्रम हरिद्वार लंगर फण्ड

यमुनानगर से श्रीमती कान्ता दत्ता पत्नी स्वर्गीय श्री कृष्णलाल दत्ता अपनी सास श्रीमती रामलुभाई दत्ता पत्नी स्व. श्री लक्ष्मीचन्द दत्ता निवासी गाँव–दामुचक, जिला जेहलम (पाकिस्तान) की याद में ग्यारह हज़ार रुपए मोहयाल आश्रम हरिद्वार लंगर फंड के लिए भेंट कर रही हूँ। लंगर की तिथिः 7 दिसम्बर।

लौ जाति

मोहयाल बिरादरी की सात जातियों में से एक जाति 'लौ' है। यह कब सामने आई इसकी बहुत गहरी गाथा है। इतिहास के पन्ने पलटने से पता चलता है कि रामायण युग में राजा दशरथ के राजगुरू वशिष्ठ थे। लौ जाति का गौत्र वशिष्ठ है। एक और धारणा के अनुसार लौ जाति अपने आपको रामचन्द्र जी के पुत्र लव के वंशज बताते हैं परन्तु यह मिथ्या है क्योंकि लव क्षत्री था।

सन् 997 तक इस जाति का कोई पता नहीं चल पाया। परन्तु सन् 1000 में लौ जाति का एक युवक जो बहुत शक्तिशाली था। उसका नाम बजवाड़ा का रहने वाला 'विजयपाल' था। बजवाड़ा लौ जाति की ढेबी कहलाई। विजयपाल के दो बेटे थे। विजयपाल और भूपाल। विजयपाल की मृत्यु के बाद लौहपाल गद्दी पर बैठा। लौहपाल की मृत्यु के बाद उसका बेटा विशवराय गद्दी पर बैठा।

लौ शस्त्र धार गर्जन जो रन में,
नब करें शत्रु से भेड़ तोप दगें तब रन में,
दे काट शत्रु का सीस जोश हो तन में,
सुन उनकी गर्ज सिंह थर–थर काँपे रन में।।

सन् 1911 में जब राजा जयचंद ने राजसू यज्ञ किया तो पता चलता है कि उसने बड़े–बड़े हिन्दु राजाओं को जो ब्राह्मण राजा थे बुलाया। मोहयाल बिरादरी के भी 'सात' प्रमुख पुरूष आए। यह हर सात जातियों में से एक–एक थे। लौ जाति के रायइन्द्रसेन लौ थे।

लौ जाति ब्रजवाड़ा में लगभग 300 वर्ष तक रही है। उस समय औरंगज़ेब का राज्य था। पंजाब में राजा रणजीत सिंह था। पंजाब में लौ–नवांशहर गुजरांवाला जेहलम, रावलपिंडी पिंड दादन खाँ में फैल चुके थे। औरंगजेब ने पंजाब पर कब्जा करने के लिए ब्रजबाड़ा के लौ रायइन्द्रसेन से सहायता माँगी परन्तु इन्द्रसेन ने इंकार कर दिया कि भाई–भाई से नहीं लड़ेगा।

लौ जाति मोहयाल बिरादरी में लगभग 10 प्रतिशत हैं, ऐसा मोहयाल हिस्ट्री में लिखा है।

–देश वैद, *एफ 2/116, सैक्टर–11, रोहिणी, दिल्ली*

बेटी

मेरी बेटी के नक्श देखे बगैर
मेरा सूरज नहीं उगता
मेरे शौंक, मेरी आदतें सब जानती है वो,
थक जाऊँ कभी, नन्हें हाथों से गर्म महकती चाय ले आए
आराम करने को कह, चुप शान्त सी खेलों में रम जाए।
कभी कभी मुझे वो मेरी 'माँ' सी लगे.....
मुझे समझती, जानती बूझती है वो
पता नहीं कैसे, पर खामोशी भी सुनती है वो
कभी कभी मुझे वो मेरी 'महबूब' सी लगे....
कभी मेरा गुस्सा निकले उस पे
निरीह हिरणी सी दुबक जाती है, मेरे ही सीने से
न कोई माँग, न जिदू न गुस्सा कोई
कभी कभी मुझे वो 'राबिया' सी लगे....
किसी मिट्टी की गुल्लक सी बन्द वो
दूर पहाड़ पे 'एकान्त' पहाड़ी सी मौन
सिमटी ठहरी सहज, आसमाँ सी सरल वो
कभी कभी मुझे वो 'बु ' सी लगे
साँझ के लोबान सी महकती
सुबह की चिड़ियों सी चंचल कभी
शरारतें भी उसकी बुलबुल गौरेयां सी
कभी मुझे चंचल हवा भी लगे।

–नीलू बक्शी, *रूप नगर (पंजाब)*
मो. 9814390033, 9888219092

मोहयाल मित्र की शुल्क में बढ़ोतरी

मोहयाल मित्र की वार्षिक सदस्यता शुल्क जनवरी 2014 से 100 रुपए से 200 रुपए की गई। प्रत्येक पत्रिका की शुल्क 10 रुपए के स्थान पर 20 रुपए होगी। जो लोग वार्षिक शुल्क भेजते हैं उनसे निवेदन है कि जनवरी 2014 से मोहयाल मित्र की शुल्क 200 रुपए भेजें।

–डी.वी. मोहन, सेक्रेटरी जनरल

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

पूर्व "कथा" व श्रद्धांजलि

हरिद्वार कनखल में पूर्व काल में राजा दक्षय ने महायज्ञ रचाया सब देवी देवताओं को बुलाया गया, परन्तु अपने जमाता शंकर भगवान को नीचा दिखाने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया। माता पार्वती पति के मना करने पर भी यक्ष में चली गई। परन्तु सती को न पिता ने न बहिनों ने बुलाया इस पर माता ने जब यक्ष में शंकर का स्थान न देखा तो सती हवन कुण्ड में जल मरी। शंकर ने क्रोध में आ एक जटा उखड़ी शंकर पुत्र वीरवद्र बने। जिन्होंने ने यक्ष खत्म कर राजा दक्ष का भी सिर काट दिया। वीर भद्र जी कैलाश पर जाने से पूर्व दो साल तक व्यक्ति और भक्ति करने के लिए जम्मू कश्मीर के राजौरी से 40 मील दूर जंगल में ठहरे। मुस्लिम राजाओं ने वीर भद्र का नाम पीर वहेसर रख दिया जो आज तक चलता है। यहाँ दो क्वींटल से दस ग्राम तक की घंटिया हैं। अतः यह स्थान एल.ओ.सी. पर है। यहां फौज दोनों समय पूजा करते हैं। हिन्दु लोग फौज से पास बनवा कर वहां जाते हैं। मैं अपनी बिरादरी से निवेदन करना चाहता हूँ कि आयु में ऐसे स्थानों के अवश्य दर्शन करें।

"श्री हरमेश मेहता" श्रद्धांजलि

1947 से पूर्व मेहता जी का परिवार वीर भद्र स्थान का रहने वाला या अब भी यह स्थान और जमीन इन के कब्जे में है। श्री हरमेश जी राजौरी में रहने लगे बड़े दो भाई ट्रांसपोर्टर थे परन्तु यह छोटे थे। और बी.ए. करने के पश्चात वह पुलिस में भरती हो गए। यह 32 साल सर्विस करने के बाद वहाँ से सेवा निवृत्त हुए। यह बड़ी कुशल पक्के ब्राह्मण थे। इस का वंश मोहन ही था जिनका गौत्र कश्यप है। यह बड़े होशयार और चकाचौंध पुलिस आफिसर रहे। इन पर अपने सीनियर की हमेशा दया रही। यह जम्मू पूंछ पुलिस सेवा निवृत कार्यकारिणी के प्रधान, राजौरी और जम्मू की कई समस्याओं के आजीव रहे। इन के सभी रिश्तेदारी मोहयाल वंश से है। इनकी बहिन व दोनों बच्चें दत्त परिवार में ही शादी हुई है। मेरी छोटी बहु अनीता दत्ता धर्मपत्नी श्री विनोद इनकी छोटी बेटी है। श्री हरमेश जी अंतिम यात्रा में जम्मू राजौरी के हिन्दू, सिख के अतिरिक्त हजारों मुस्लिम लोगों ने अंतिम विदाई दी।

श्री हरमेश मेहता ने अपना शरीर 30 जुलाई को एकादशी के दिन राम–राम करते छोड़ा। हम ऐसे प्रिय मधुर भाषी हमदर्द हिन्दु वंश के सच्चे सपूत के चले जाने पर बहुत दुख अनुभव करते हैं। श्री हरमेश जी के तीन बेटे और तीन बहुएं सब सरकारी नौकरी में है अब आराम का समय था परन्तु प्रभु विधान को तोड़ नहीं सकता। हम इस दुखित अवसर पर जीएमएस के विधवा फंड में 500 रुपए अर्पण करते हैं।

निवेदकः ***भाई वेद व्यास दत्त,*** *वीरमशाही मेंढर पून्छ, जम्मू*

गुरु गद्दी बावा वीरमशाह दत्त-गुरु गद्दी बावा काशी नाथ बाली

दोनों पुरातन गुरु गद्दियों के आशीर्वाद के फलस्वरूप पहली बार पून्छ जिले के किसी ब्राह्मण को पीडीपी ने पूंछ जम्मू सीट के लिए अपना उम्मीदवार नियुक्त किया है। इस बात के फलस्वरूप यहाँ के लोग मज़हब और अपनी पार्टी को भूल श्री यशपाल बाली को सपोर्ट करना। श्री यशपाल जी का पूरा परिवार लोगों की सेवा में रहा, विशेष कर मुस्लिम समुदाय, रिफ्यूजी समुदाय की इस वंश ने बड़ी सेवा की है। मास्टर वेलीराम जी भूतपूर्व मंत्री इनके ताया थे। यह हर दिल में बसे हुए मनुष्य है। अतः भारत में बसे सब मोहयाल बिरादरी से प्रार्थना है कि वह इन के लिए प्रभु से प्रार्थना कर और जम्मू पून्छ के मोहयाल रिफ्यूजी सब हिन्दु, मुस्लिम और सिख इनको सफल करें हमें आशा है यदि आपकी प्रार्थना से यह सफल हुए तो केन्द्र में मंत्री होंगे। यशपाल जी ने 40 वर्ष तपस्या की है, लोगों की सेवा की है। परन्तु कांग्रेस और एनआईसी ने इनको समय नहीं दिया। हम अपनी किसी पार्टी को भूल केवल बाली जी को सफल बनाऐं।

लेखकः ***भाई वेद व्यास दत्त,*** *वीरमशाही मेंढर पून्छ, जम्मू*

"पैसा"

इस पैसे की सुनी कहानी, इसने कभी किसी की नहि मानी
चंचल मन है भाग्य की रानी, करती रहती यह मन मानी
जब आजाए पास यह रानी, तन मन को करती है दिवानी
अजब गजब हैं किस्से इसके धर्म कर्म सब इसके पीछे
पैसों ने कई तकदीर बनाई, मिट्टी में भी कई मिलाई
पैसों का है खेल निराला, करते रहते लोग घोटाला
पैसों की गरिमा है भारी, दुनिया इस पर टिकी है सारी
पैसों का लालच जब आया, भ्रष्टाचार को दिया बढ़ावा
पैसों के जब देखे सपने, कभी हुए नहिं सपने अपने
पैसों के पीछे इन्सान जब दौड़ा, रिस्ते नाते सबको छोड़ा
पैसों ने अच्छे दिन दिखलाए बुरे दिन भी साथ में लाए
पैसों की है मारामारी इस चक्कर में है दुनिया सारी
पैसा व्हाइट मनी या ब्लैकमनी, जिसके पास है वही धनी
वाह रे पैसा नाम है तेरा दुनिया में हर जुबान पे तेरा।

–कैप्टन के एल डोभाल, जनरल मोहयाल सभा

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

राजन बक्शी अचल का ग़ज़ल-संग्रह

मसीहा हो गया

राजन बक्शी अचल का 182 ग़ज़लों और कविताओं का संग्रह विभिन्न भावों का समेटे हैं। कवि के अनुसार इसमें परमात्मा और आदमी के रिश्तों को अभिव्यक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त सामयिक संदर्भों की रचनाएँ भी हैं।

कुछ पंक्तियाँ सहज ही ध्यान आकृष्ट कर लेती हैं–

- चार दिन की ज़िंदगी के चार दिन जीते रहे, जब जब नज़रों के तेरी, उफ़ जाम हम पीते रहे।
- तू बहुत है रहम दिल यह जानता था इसलिए तेरे दर पे ए–अचल मैं पाप धोने आ गया।
- तेरी यादों से घिरा था दोस्त मैं शाम–ओ सहर, किस तरह फिर दिल हमारा हाय तन्हा हो गया।
- *जिसने तुझको पुकारा होगा,*
  कोई दर्द का मारा होगा।
  मेरी चाहत में लिपटा उफ़,
  शायद प्यार तुम्हारा होगा।

राजन बक्शी अचल, बक्शी राजपाल छिब्बर के पुत्र तथा रायबहादुर बद्रीनाथ छिब्बर (रि. डी.आई.जी., जम्मू) के पोते हैं। वे 23 वर्षों से न्यूज़ीलैंड में रह रहे हैं और अठारह वर्षों से फ़ास्ट–फूड के व्यवसाय में है। उनकी अन्य पुस्तकें हैं–1. व्यंग्य 2. पलकों में कैद लम्हे 3. साज है टूटा हुआ। उनका पता है– 8, Hornesey Avenue, Henderson, Auckland (Newzealand)

उनकी यह पुस्तक ले.कर्नल एस.सी. बाली (रिटायर्ड) 1479/1, सैक्टर–43 बी, चंडीगढ़ ने जी.एम.एस. के पुस्तकालय के लिए भेजी है।

ले.कर्नल बाली का आभार और कवि राजन बक्शी अचल को पुस्तक प्रकशन पर बधाई! आशा है ग़जल–प्रेमियों को यह संग्रह पसंद आएगा। ***(अशोक लव)***

मोहयाल मित्र की वार्षिक सदस्यता

- 'मोहयाल मित्र' का वार्षिक सदस्यता शुल्क दो सौ रुपए है। यह शुल्क जनवरी से दिसंबर तक होता है।
- नए सदस्य दो सौ रुपए भेजकर वार्षिक सदस्य बनें।
- पुराने सदस्य सन् 2014 के लिए अपना सदस्यता शुल्क भेजने का कष्ट करें।
- वार्षिक सदस्यता शुल्क अपने क्षेत्र की मोहयाल सभा द्वारा भेजें। इसे जीएमएस को सीधे बैंक ड्राफ्ट या चेक द्वारा भी भेज सकते हैं। बैंक ड्राफ्ट या चेक 'जनरल मोहयाल सभा (रजि.) दिल्ली' के नाम पर होना चाहिए।
- मनीआर्डर द्वारा भी दो सौ रुपए भेजे जा सकते हैं।
- अपना नाम और पता अवश्य लिखें।

मोहयाल मित्र के लेखकों से अनुरोध

- 'मोहयाल मित्र' में केवल उन्हीं रचनाओं को प्रकाशित किया जाएगा जिनके साथ लेखक, रिपोर्ट भेजने वाले का पूरा पता होगा। लेखक अपने हस्ताक्षर करके अवश्य लिखें कि यह उनकी मौलिक रचना है। दूसरों की रचनाओं की प्रस्तुति के साथ भूल लेखक/कवि का नाम भी अवश्य लिखें।
- प्रत्येक रचना में अभिव्यक्त विचार, रचनाएँ लेखक या भेजने वाले के होते हैं। इनके साथ संपादक और प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। प्रत्येक प्रकाशित रचना, रिपोर्ट के लिए लेखक उत्तरदायी होगा। विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा।
- कृपया ई–मेल द्वारा रचनाएँ न भेजें।
- केवल वही रचनाएँ, रिपोर्ट आदि प्रकाशित की जाएँगी जो 'जनरल मोहयाल सभा' कार्यालय में प्राप्त होंगी। संपादकों के निवास पर भेजी रचना प्रकाशित नहीं की जाएँगी।
- पुस्तक की समीक्षा प्रकाशित कराने के लिए पुस्तक की एक प्रति अवश्य भेजें।
- किसी त्योहार, विशेष दिन संबंधी रचनाएँ एक महीना पहले भेजें। एक साथ तीन–चार रचनाएँ न भेजें। पहले भेजी रचना प्रकाशित होने पर ही अगली रचना भेजें।
- मोहयाल मित्र संबंधी प्रत्येक जानकारी के लिए केवल जी. एम.एस. कार्यालय से संपर्क करें। फोनः 011–26560456

काम के नुस्खें

यदि जामुन ज्यादा खा लिया हो व इससे जी मिचला रहा हो तो आम की एक फाँक खा लेने से तत्काल राहत महसूस होने लगती है।

मूली ज्यादा खा ली हो तो चौथाई चम्मच अजवायन फाँक लें या मूली का ऊपरी मुलायम पत्ता खा लेने से गैस या अपच नहीं होती।

मूली के तीन–चार पत्ते खाने से हिचकी दूर होती है।

केले ज्यादा खा लिए हों तो एक इलायची चबा लें, केला हजम हो जाएगा।

बदन में थकावट का दर्द होने पर सरसों के तेल में नमक मिलाकर गुनगुना कर लें व पूरे बदन पर मालिश करके गर्म पानी से नहा लें। इससे राहत मिलेगी।

जी मिचला रहा हो और उल्टी हो रही हो तो 4–5 लौंग, एक चम्मच चीनी में बारीक पीसकर चुटकी–चुटकी भर जीभ पर रखकर चाटने से आराम मिलता है।

मूँग की दाल रात को भिगोकर सुबह उसमें 2 लौंग डालकर बनाया जाए तो ज्यादा पाचक होती है व गैस भी नहीं बनती।

मेथी को अजवायन के संग बराबर मात्राा में लेकर पीस लें व खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ फाँक लें। गैस–अपच नहीं होगी और कब्ज भी नहीं रहेगा।

साबुत काली मिर्च व मिश्री चबाने से गले की खराश तत्काल दूर हो जाती है।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor